# ECONOMICS

## B A PART – I (Honours)

## PAPER I

## PRINCIPLES of ECONOMICS

- Website

eGyankosh.ac.in पर जाएं

- इस page के

**IGNOU Self Learning Material (SLM)** बटन को दबाएं (click करें)।

- नए पेज में स्क्रॉल कर नीचे

**Sub-communities within this community**

Heading के रूप में लिखा मिलेगा। इसमें नीचे 02 नंबर पर

**02. School of Social Sciences (SOCC)**

लिखा मिलेगा।इस बटन को दबाएं (click करें)। पुनः

**Sub-communities within this community**

Heading के रूप में लिखा मिलेगा। इसमें नीचे Discipline **को छोड़कर** **Levels** को select कीजिए / click कीजिए।

**Sub-communities within this community**

लिखा आयेगा, इसमें

**Bachelor's Degree Programmes**

**को click करके खोलें** ।

**Sub-communities within this Community** लिखाआयेगा

इसमें नीचे Archieved **को छोड़कर** **Current** को select कीजिए / click कीजिए।

पुनः

**Sub-communities within this Community** लिखाआयेगा जिसके अंतर्गत

**Bachelor of Arts (Honours) Economics (BAECH)**

लिखाआयेगा जिसके अंतर्गत

**Sub-communities within this Community.**

में नीचे

**बी ई सी सी – प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र**

लिखा मिलेगा

**इसे click करके खोलें**

नए पृष्ठ पर

**बी. ई .सी .सी -101 - प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र**

लिखा मिलेगा और उसके नीचे

**Collections within this Community**

में प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र के अध्याय दिए गए हैं जिसमें पहला अध्याय है

**खण्ड-1 परिचय**

**इसे click करके खोलें**

नए पृष्ठ पर पुनः **खण्ड-1 परिचय** को click करें, खोलें

और पुनः pdf file के view/ open, option पर जाकर इसे click करें।

***यह पूरा chapter पठन के लिए खुल जायेगा।***

इस इकाई में कुल 29 पृष्ठ हैं जो अर्थशास्त्र विषय से हमारा प्रारंभिक परिचय कराता है।

इकाई की शुरुआत अर्थशास्त्र के परिभाषा से होती है।

किसी भी विषय की कुछ मूलभूत अवधारणा होती है जो उस विषय को परिभाषित करता है और विषय को समझने के लिए आवश्यक है गया है।

सबसे पहले "दुर्लभता की अवधारणा" को समझाया गया है। यहां संसाधनों की उपलब्धता की सीमा और हमारे अनंत आवश्यकताओं के बीच तालमेल बैठाने की क्रिया को ही हम आर्थिक समस्या की संज्ञा दे सकते हैं। आवश्यकताओं का अनुक्रम तैयार करके हम सबसे पहले अपने सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकते है, फिर उन वस्तुओं और सेवाओं की बारी आएगी जो उतना महत्वपूर्ण नहीं हैं। हम अपने

संसाधनों में वृद्धि करके भी अपनी आवश्यकता को पूरा कर सकते हैं। अतः दोनों हमारी आर्थिक समस्या और आर्थिक क्रिया का अंश हैं।

इसके बाद अर्थशास्त्र में"उत्पादन" की अवधारणा को समझाया गया है।सरल शब्दों में किसी वस्तु/ सेवा की उपयोगिता में वृद्धि करना ही उत्पादन है।

तत्पश्चात, अर्थव्यवस्था की बुनियाद (केंद्रीय) समस्याओं को समझाया गया है।

किसी अर्थव्यवस्था को तीन मूलभूत प्रश्नों का हल ढूंढ़ने होता है, ये प्रश्न हैं :-

क्या उत्पादन करें?

किसके लिए उत्पादन करें?

कैसे उत्पादन करें?

इन तीन मूलभूत प्रश्नों के विषय में हम इंटर की पुस्तकों में पहले से पढ़ चुके हैं। अतः उन्हें एक बार पुनः स्मरण (recollect) कर लेना है।

किसी अर्थव्यवस्था को तीन मूलभूत प्रश्नों का हल ढूंढ़ने होता है, ये प्रश्न हैं :-

क्या उत्पादन करें?

किसके लिए उत्पादन करें?

कैसे उत्पादन करें?

इन तीन मूलभूत प्रश्नों के विषय में हम इंटर की पुस्तकों में पहले से पढ़ चुके हैं। अतः उन्हें एक बार पुनः स्मरण (recollect) कर लेना है।

किसी अर्थवयवस्था की इन तीन मूलभूत समस्याओं के अलावा "संवृद्धी की समस्या" का भी उत्तर ढूंढना होता है ताकि वह समाज निरंतर प्रगति कर सके। आर्थिक वृद्धि भविष्य के उत्पादन/उपभोग से संबंध रखता है। इस समवृद्धी को प्राप्त करने के लिए किसी समाज/देश को अपने वर्तमान उपभोग का त्याग करना पड़ता है जिससे बचत संभव हो सके और उसका उपयोग निवेश के लिए किया जा सके। निवेश से किसी देश का पूंजी निर्माण होता है जिससे उस देश की उत्पादन क्षमता बढ़ती है।

निजी और सार्वजनिक वस्तुओं के बीच के भेद को भी समझाया गया है।सार्वजनिक वस्तुओं में "अविभाज्यता" का गुण होता है अतः इनके वितरण में"वहिष्कृती का नियम" लागू नहीं किया जा सकता है। किसी देश के आर्थिक उन्नति के लिए निजी एवं सार्वजनिक वस्तुओं के बीच संतुलन और समन्वय की आवश्यकता होती है।

अर्थशास्त्र के मूल सिद्धांत (basics) को जानना आवश्यक है। इस इकाई में दिए गए अर्थशास्त्र के मूल तत्व को जानना किसी भी अच्छे छात्र की दृष्टि से सफलता की कुंजी है।

**IGNOU (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय) की नेट पर उपलब्ध सामग्री का स्तर बहुत अच्छा है। इसे कोई भी छात्र बिना अनुमति के और बिना पैसे खर्च किए उपयोग के लिए स्वतंत्र है। इसका लाभ उठाकर ज्ञानार्जन करें।**

यह BA level का कोर्स सामग्री है किन्तु साथ ही reference book का अध्ययन किया जाना आवश्यक है। प्रत्येक इकाई के अंत में उस इकाई से संबंधित पुस्तकों का नाम, लेखक का नाम एवं प्रकाशक का नाम दिया गया है।

साथ ही कई बोध प्रश्न छात्रों को हल करने के लिए दिया गया है जिससे उनकी समझ और विश्वास में निरंतर अभ्यास से वृद्धि हो।

Corona virus की इस विभीषिका काल में **IGNOU (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय)** इस पठन सामग्री जो इंटरनेट पर सुलभ है का छात्र अपने ज्ञान वर्धन और परीक्षा की तैयारी के लिए उपयोग करेंगे और लाभ उठाएंगे।

***Prof. Chanchal Kumar Pandey***

***Head***

***Department of Economics***

***Maharaja College***

***Ara***